दिनांक : . .२०१८

प्रती,
१. मा. रेलमंत्री,
केंद्र सरकार.

२. मा. परिवहन मंत्री,
तेलंगाना शासन.

विषय : दशहरा, बतुकम्मा तथा मकर संक्रांति आदि त्यौहारों के निमित्त
रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट के किराए में की गई वृद्धि त्वरित निरस्त करने संबंधी....

महोदय,

दशहरा हिन्दुओं के सबसे बडे धार्मिक उत्सवों में से एक है । भारतभर के हिन्दू प्रतिवर्ष यह त्यौहार बडे उत्साह के साथ मनाते हैं । तेलंगाना शासन ने दशहरा और बतुकम्मा इन त्यौहारों के निमित्त इस अवधि में रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट के मूल्य में वृद्धि करने का अन्यायकारक निर्णय लिया है ।

१. दशहरा और बतुकम्मा इन त्यौहारों के समय यात्रियों की संख्या अत्यधिक होती है । इसे ध्यान में रखते हुए तेलंगाना राज्य में दक्षिण मध्य रेलवे ने यह किराया वृद्धि की है । यह हिन्दुओं पर अन्याय है । यह भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्ष तत्त्वप्रणाली की काट करनेवाला है । त्यौहारों के निमित्त हिन्दुओं पर लादी गई किराया वृद्धि एक प्रकार का 'जिजिया कर' ही है, ऐसा कहें तो वह अनुचित नहीं होगा ।

२. सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि संपूर्ण देश के किसी भी राज्य में इस प्रकार त्यौहारों के निमित्त यात्री अथवा प्लेटफॉर्म टिकट के मूल्य में वृद्धि नहीं की जाती । तब केवल तेलंगाना में ऐसा क्यों किया जा रहा है ?

३. वर्तमान में प्लेटफॉर्म टिकट का मूल्य १० रूपए है । गत वर्ष इसी अवधि में प्लेटफॉर्म टिकट के मूल्य में वृद्धि कर वह २० रुपए कर दिया गया था । इस वर्ष तो उसका मूल्य ३० रुपए कर दिया गया है अर्थात तीन गुना वृद्धि की गई है ।

४. इसी प्रकार प्लेटफॉर्म टिकट के मूल्य में वृद्धि अन्य त्यौहारों के दिन भी की जाती है । गत कुछ वर्षों से मकर संक्रांति के निमित्त भी ऐसी ही किराया वृद्धि की जाती है ।.

५. यह किराया वृद्धि हैदराबाद, सिकंदराबाद, काचीगुड़ा, विजयवाड़ा, राजमंड्री और नेल्लूर आदि स्थानकों के लिए लागू है ।

शासन एक ओर हज की धार्मिक यात्रा के लिए मुसलमान बंधुओं को सैकडों करोड रुपए व्यय कर अल्प खर्च में विमान यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाता है । उन्हें विशेष चिकित्सा सुविधा दी जाती है । उन्हें सरकारी खर्च से हज हाऊस बनाकर दिया जाता है, तो दूसरी ओर हिन्दू त्यौहारों और उत्सवों के समय इस प्रकार किराया वृद्धि, अधिभार लगाना आदि किया जाता है । यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है । 'धर्मनिरपेक्ष' कहलानेवाली इस शासनप्रणाली में सभी धर्मों को समान न्याय मिलना अपेक्षित होते हुए हिन्दुओं के प्रति सदैव अन्याय ही होते हुए दिखाई देता है ।

रेलवे प्रशासन के किराया वृद्धि के इस निर्णय से लाखों श्रद्धालुओं को बडी आर्थिक चोट पहुंचनेवाली है । यह निर्णय धार्मिक पक्षपात है तथा जानबूझकर हिन्दुओं के धार्मिक उत्सवों पर बंधन डालनेवाला है, ऐसी भावना हिन्दू समाज में उत्पन्न हो गई है ।

इसके लिए हमारी निम्नांकित मांगे हैं –

१. शासन दशहरा, बतुकम्मा इन त्यौहारों के निमित्ताने की गई किराया वृद्धि तुरंत पीछे ले तथा प्रतिवर्ष संक्राति के निमित्त की जानेवाली किराया वृद्धि इस वर्ष से नहीं की जाए ।

२. इन धार्मिक उत्सवों की अवधि में रेलवे प्रशासन श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाए ।

३. भारतीय नागरिकों को धर्म के आधार पर सुविधाएं न देते हुए सभी नागरिकों को समान सुविधाएं तथा अधिकार मिलने के लिए देश में 'समान नागरिक कानून' लागू किया जाए ।

४. केवल हिन्दुओं के त्यौहारों के समय किराया वृद्धि कर धार्मिक भेदभाव करनेवाला निर्णय लेनेवाले संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की जाए ।

इन मांगों के लिए....बजे...स्थान पर 'राष्ट्रीय हिन्दू आंदोलन' किया गया ।

आपका नम्र,

संपर्क क्र. :